NEWS CLIPPING: 06.05.2017

DAINIK BHASKAR

ई-संसाधनों के उपयोग की सही जानकारी होना जरूरः प्रो. दिनेश

वाईएमसीए में कार्यशाला का हुआ आयोजन

फरीदाबाद. कुलपति प्रो. दिनेश कुमार को पुस्तक भेंट करते हुए प्रो. राज कुमार।

फरीदाबाद। वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने ई-संसाधनों की खोज व उपयोग का सही तरीका विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिवर्ष पुस्तकालय पर होने वाले खर्च का बड़ा हिस्सा ई-संसाधनों पर खर्च होता है और सभी संकाय सदस्यों व शोधार्थियों को सुविधा है कि वे पुस्तकालय के ई-संसाधनों को घर या किसी अन्य जगह से भी उपयोग कर सकते हैं। इसलिए सभी को ई-संसाधनों के उपयोग की सही जानकारी होना जरूरी है ताकि सही जानकारी सही माध्यम से मिले। उन्होंने कहा कि ई-संसाधनों के उपयोग से शोध कार्यों की गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

पुस्तकालय समिति के सदस्य प्रो. राज कुमार ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं संकाय सदस्यों व शोधकर्ताओं को अनुसंधान कार्यों में आने वाली समस्याओं के समाधान और अनुसंधान के लिए सही जानकारी जुटाने में मदद करती है। लाइब्रेरियन पीएन वाजपेयी ने कहा कि कार्यशाला के माध्यम से सभी संकाय सदस्यों को अवसर मिलता है कि वे ई-प्रकाशकों से सीधे संपर्क कर सकें और ई-संसाधनों के उपयोग के दौरान आने वाली समस्याओं का समाधान पा सकें। कार्यशाला के तकनीकी सत्र के दौरान एल्सविवर, स्प्रिंगर, टेलर एंड फ्रैंसिज, जीआईएसटी, जेस्टोर, इंफोमेटिक व डेलनेट आदि संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने ई-संसाधनों के उपयोग पर प्रस्तुति दी और ई-संसाधनों की खोज व उपयोग के सही तरीकों की जानकारी दी।

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 06.05.2017

DAINIK JAGRAN

ई–संसाधनों के प्रयोग की दी गई जानकारी

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शुक्रवार को ई-संसाधनों के अनुकूलतम प्रयोग के प्रति जागरूक करने के लिए हुई कार्यशाला की शुरुआत कुलपति डॉ. दिनेश कुमार ने की। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का प्रतिवर्ष पुस्तकालय पर होने वाले खर्च का बड़ा हिस्सा ई-संसाधनों पर खर्च होता है।

उन्होंने कहा कि सभी संकाय सदस्यों व शोधार्थियों को सुविधा है कि वह पुस्तकालय के ई-संसाधनों को घर या किसी अन्य जगह से भी उपयोग कर सकते हैं।

इसलिए सभी को ई-संसाधनों के उपयोग की सही जानकारी होना जरूरी है, ताकि सही जानकारी सही माध्यम से मिले। पुस्तकालय समिति के सदस्य राज कुमार ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं संकाय सदस्यों व शोधकर्ताओं को अनुसंधान कार्यों में आने वाली समस्याओं के समाधान और अनुसंधान के लिए सही जानकारी जुटाने में मदद करती है।

उन्होंने कहा कि कार्यशाला के माध्यम से सभी संकाय सदस्यों को अवसर मिलता है कि वह ई-प्रकाशकों से सीधे संपर्क कर सकें और ई-संसाधनों के उपयोग के दौरान आने वाली समस्याओं का समाधान पा सकें।

NEWS CLIPPING: 06.05.2017

PUNJAB KESARI

'शोध कार्यों के लिए ई-संसाधनों का करे उपयोग'

'ई-संसाधनों की खोज व उपयोग का सही तरीका' पर कार्यशाला आयोजित

वाईएमसीए के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार विभिन्न प्रकाशकों से बातचीत करते हुए। (रजत)

फरीदाबाद, 5 मई (पंकेस): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा ई-संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग को सुनिश्चित बनाने के दृष्टिगत 'ई-संसाधनों की खोज व उपयोग का सही तरीका' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय पुस्तकालय की देखरेख में आयोजित कार्यशाला में काफी संख्या में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों तथा शोधकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया तथा ई-संसाधनों के उपयोग के प्रति जागरूकता के लिए कार्यशाला आयोजित करने पर पुस्तकालय की सराहना की। अपने संबोधन में कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष पुस्तकालय पर होने वाले खर्च का बड़ा हिस्सा ई-संसाधनों पर खर्च होता है तथा सभी संकाय सदस्यों व शोधार्थियों को सुविधा है कि वे पुस्तकालय के ई-संसाधनों को घर या किसी अन्य जगह से भी उपयोग कर सकते है। इसलिए सभी को ई-संसाधनों के उपयोग की सही जानकारी होना जरूरी है ताकि सही जानकारी सही माध्यम से मिले।

इससे पूर्व, सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए लाइब्रेरियन पी.एन. बाजपेयी ने विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में दी जा रही सुविधाओं का ब्यौरा प्रस्तुत किया तथा कार्यशाला के महत्व व प्रयोजन की जानकारी दी। श्री बाजेपयी ने संकाय सदस्यों व शोधार्थियों ई-संसाधनों के उपयोग में होने वाली समस्याओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला के माध्यम से सभी संकाय सदस्यों को अवसर मिलता है कि वे ई-प्रकाशकों से सीधे संपर्क कर सके।

और ई-संसाधनों के उपयोग के दौरान आने वाली समस्याओं का समाधान पा सके। कार्यशाला के तकनीकी सत्र के दौरान एल्सवियर, स्प्रिंगर, टेलर एंड फ्रेंसिज, जीआईएसटी, जेस्टोर, इंफोमेटिक व डेलनेट इत्यादि संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने ई-संसाधनों के उपयोग पर प्रस्तुति दी।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Sat, 06 May 2017
epaper.punjabkesari.in//c/18881060

NEWS CLIPPING: 06.05.2017

HINDUSTAN

ई-संसाधन की जरूरत व उपयोग पर रखे विचार

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शुक्रवार को ई-संसाधनों की खोज व उपयोग का सही तरीका विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ।

विश्वविद्यालय पुस्तकालय की देखरेख में हुए इस कार्यक्रम में फैकल्टी सदस्यों और शोधकर्ताओं ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया। विषय पर विचार रखते हुए उन्होंने कहा कि हर साल पुस्तकालय पर होने वाले खर्च का बड़ा हिस्सा ई-संसाधनों पर खर्च होता है। इसकी वजह ये है कि इन्हें कहीं भी इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने संकाध्याध्यक्षों को सुझाव दिया कि समय सारणी में लाइब्रेरी के लिए भी समय शामिल होना चाहिए।

NAVBHARAT TIMES

वर्कशॉप हुई

■वस, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शुक्रवार को ई-संसाधनों के अनुकूलतम प्रयोग के प्रति जागरूक करने के लिए हुई कार्यशाला की शुरुआत वाइस चांसलर डॉ. दिनेश कुमार ने की। वाइस चांसलर ने कहा कि विश्वविद्यालय का प्रतिवर्ष पुस्तकालय पर होने वाले खर्च का बड़ा हिस्सा ई-संसाधनों पर खर्च होता है। पुस्तकालय समिति के सदस्य राज कुमार ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं संकाय सदस्यों व शोधकर्ताओं को अनुसंधान कार्यों में आने वाली समस्याओं के समाधान और अनुसंधान के लिए सही जानकारी जुटाने में मदद करती हैं।